[श्री तुलसीदास जाधव]

इस सम्बन्ध में मैं सरकार और सब पार्टियों से एक निवेदन करना चाहता हूं। इस देश में अन्य देशों की सी हालत नहीं है। राज्य सभा और विधान परिषदों में सदस्य आम जनता से चुन कर नहीं आते हैं। वहां पर अलग अलग वर्गों, जातियों और माइनारिटीज वग़ैरह के प्रतिनिधि होते हैं, जोकि सरकार के कार्यों और नीतियों को बैलेंस करते हैं। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अप्पर हाउसिज को खत्म करने के बाद वह काम लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के द्वारा हो, ताकि हमारे देश के सब अल्प-संख्यकों, वर्गों और जातियों के हितों की रक्षा हो और किसी के साथ भेदभाव न हो। मैं गवर्नमेंट से, और भविष्य में जो भी पार्टियां गवर्नमेंट में आयें, उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि वे इस बात की व्यवस्था करें कि देश के सब लोगों के साथ ठीक बर्ताव हो।

SHRI GOVINDA MENON : I do not have much to add, except to thank all sections of the House for the support they have given to this Bill.

SHRI S. M. BANERJEE : On a point of order, Sir. मेरा पायंट आफ़ आर्डर यह है कि **

MR. CHAIRMAN : It is expunged. The question is :

"That the Bill be passed".

The motion was adopted.

16.17 hrs

MOTION *RE* : ENCOURAGEMENT TO SUBVERSIVE AND VIOLENT ACTIVITIES IN THE COUNTRY

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : (हापुड़) : सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं :

> "कि कुछ राजनीतिक दलों द्वारा तथा कुछ अन्य देशों द्वारा देश में तोड़-फोड़ की तथा हिंसात्मक गतिविधियों को दिये जा रहे प्रोत्साहन से उत्पन्न स्थिति पर विचार किया जाय।"

मुझे यह प्रस्ताव उपस्थित करने की आवश्यकता इस लिए पड़ी कि ——

MR. CHAIRMAN : He can continue his speech on the next occasion.

LANGUAGE OF LAWS BILL*

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़) : मैं प्रस्ताव करता हूं कि हिन्दी तथा अंग्रेजी में साथ साथ विधान बनाने के लिए उपलब्ध करने वाले विधेयक को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

MR. CHAIRMAN : The question is :

> "That leave be granted to introduce a Bill to provide for simultaneous in Hindi and English."

The motion was adopted.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं विधेयक को प्रस्तुत करता हूं।

**Expuged as ordered by the Chair.

*Published in Gazatte of India Extra ordinary, part II section 2, dated 16-5-69.